शीतकालीन चारधाम

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **उत्तराखंड** ने **वर्ष भर पर्यटन को बढ़ावा देने** और **ऑफ-सीजन सर्दियों के महीनों** के दौरान राज्य में **पर्यटकों को आकर्षित करने** के लिये **शीतकालीन** चारधाम सर्किट शुरू किया है।

- **चारधाम तीर्थस्थल** (4 पूजनीय तीर्थस्थल) चार पवित्र स्थल हैं, अर्थात **यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ** और ये गढ़वाल हिमालय में स्थित हैं। पारंपरिक रूप से **मई और नवंबर** के बीच इनकी यात्रा की जाती है।
  - **सर्दियों के महीनों** के दौरान, इन मंदिरों के **मुख्य देवताओं को निम्न ऊँचाई** पर स्थित मंदिरों में लाया जाता है**:**
    - **केदारनाथ:** उखीमठ (रुद्रप्रयाग) में ओंकारेश्वर मंदिर
    - **बद्रीनाथ:** चमोली में पांडुकेश्वर
    - **गंगोत्री:** उत्तरकाशी में मुखबा
    - **यमुनोत्री:** उत्तरकाशी में खरसाली
- **चारधाम परियोजना** का उद्देश्य राजमार्गों की स्थिति में सुधार करके **बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री** तक **संपर्क** बढ़ाना है।
- आदि शंकराचार्य (अद्वैत वेदांत के प्रतिपादक) ने देश के चार अलग-अलग दिशाओं में **चारधामों** की स्थापना की जिनमें **बद्रीनाथ, पुरी, द्वारका और रामेश्वरम** शामिल हैं।
  - अद्वैत वेदांत एक **गैर-द्वैतवादी दर्शन** है जो यह मानता है कि **परम वास्तविकता (ब्रह्म)** एकवचन और निराकार है, **व्यक्तिगत आत्माएँ (आत्मा) इसके समान हैं,** और **इस एकता की प्राप्ति के माध्यम से मुक्ति (मोक्ष)** प्राप्त की जाती है।

और पढ़ें: चारधाम परियोजना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/winter-char-dham